मॉडल प्रश्न–पत्र–III

कक्षा – बारहवीं

विषय – हिन्दी

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

निर्देश–1. प्रश्न क्रमांक 1 चार खण्डों में विभक्त है, प्रत्येक प्रश्न पर 1 अंक निर्धारित है। प्रत्येक खण्ड में 5–5 प्रश्न है। (1 × 20 = 20 अंक)

2. प्रश्न क्रमांक 2 से 11 तक अतिलघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक निर्धारित है। (2 × 10 = 20 अंक)
3. प्रश्न क्रमांक 12 से 17 तक लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक निर्धारित है। (3 × 6 = 18 अंक)
4. प्रश्न क्रमांक 18 से 20 तक लघु उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक निर्धारित है। (4 × 3 = 12 अंक)
5. प्रश्न क्रमांक 21 से 24 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक निर्धारित है। (5 × 4 = 20 अंक)
6. प्रश्न क्रमांक 25 निबंधात्मक है। इसमें 10 अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1. **(खण्ड 'अ') सही विकल्प का चयन कर उत्तर लिखिए–** (1 × 5 = 5)

(i) कविता में तत्व की प्रधानता होती है–

(क) भाव (ख) कल्पना

(ग) विचार (घ) भाषा

(ii) ''प्रभुजी तुम चंदन हम पानी'' किस कवि की पंक्ति है–

(क) कबीर (ख) तुलसी

(ग) मीरा (घ) रैदास

(iii) '' राम चरित मानस'' की रचना भाषा में हुई है–

(क) ब्रज (ख) अवधी

(ग) राजस्थानी (घ) भोजपुरी

(iv) ''महादेवी'' को ''मीरा'' कहा जाता है–

(क) वीर युग (ख) भक्ति युग

(ग) रीतिकाल (घ) आधुनिक युग

(v) 'पल्लवन' को कहा जाता है–

(क) कहानी (ख) आत्मकथा

(ग) मुहावरा (घ) लघु निबंध

(खण्ड 'ब') रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए– (1 × 5 = 5)

(i) लेखक को खिड़की से सर्व प्रथम ..... दिखाई दिया।

(ii) दो कलाकार ..... विधा की रचना है।

(iii) कहानी के तत्वों की संख्या ..... है।

(iv) 'चित्रा' ..... कला से जुड़ी हुई है।

(v) बिहारी ..... काल के कवि है।

(खण्ड 'स') उचित संबंध जोड़िए– (1 × 5 = 5)

'अ'	'ब'
(i) पदमाकर	(क) मुहावरा
(ii) आँख लगना	(ख) कुटज
(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	(ग) विजय
(iv) अनुराधा	(घ) बसंत ऋतु
(v) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी	(ङ) छायावाद

(द) निम्नलिखित में से सही व गलत कथनों का चुनाव कीजिए– (1 × 5 = 5)

(i) कनक–कनक ते सौ गुना मादकता अधिकव्य में रूपक अलंकर है।

(ii) रामधारी सिंह दिनकर राष्ट्रीय भाव धारा के कवि है।

(iii) 'विराटा की पद्मिनी' एक उपन्यास है।

(iv) ''जिजीविषा की विजय'' में डॉ. रघवंश के संघर्षों का वर्णन है।

(v) ''पृथ्वीराज रासो'' वीरगाथा काल की रचना है।

प्रश्न 2. भरत को माँ के प्रति आक्रोश क्यों था ? समझाइए। (2)

प्रश्न 3. गद्य की कोई चार विधाओं के नाम लिखिए। (2)

प्रश्न 4. भिखारिन के दो बच्चों के साथ अरूणा ने कैसा व्यवहार किया ? (2)

प्रश्न 5. बाँझ के पेड़ तथा ठूँठ में कोई दो अन्तर बताइए। (2)

प्रश्न 6. सार लेखन क्या है ? इसकी दो विशेषताएँ बताइए। (2)

प्रश्न 7. 'वह तोड़ती पत्थर' कविता में कवि ने मजदूरनी की दीन दशा का चित्रण कैसे किया है ? (2)

प्रश्न 8. वृद्ध सबसे अधिक किस बात पर क्षुब्ध थे ? (2)

प्रश्न 9. प्रतिवेदन के मुख्य तत्व कौन–कौन से है ? (2)

प्रश्न 10. 'कठपुतली' से क्या आशय है ? इसकी दो हानियाँ लिखिए। (2)

प्रश्न 11. ''बादल बार–बार क्यों सोच रहा था बरसूँ या नहीं।'' (2)

प्रश्न 12. विभीषण लंका से निकाले जाने पर किसकी शरण में जाता है ? और क्यों ? (3)

प्रश्न 13. 'एक था पेड़, एक था ठूँठ' पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? (3)

प्रश्न 14. लेखक ने डॉ. रघुवंश को कर्मयोगी क्यों कहा ? (3)

प्रश्न 15. भक्तिकाल के किन्हीं तीन कवियों का नाम दर्शाते हुए तीन विशेषताएँ लिखिए। (3)

प्रश्न 16. 'अनुराधा' कहानी का उद्देश्य लिखिए। (3)

प्रश्न 17. क्रोध बैर में कैसे बदल जाता है ? (3)

प्रश्न 18. रहीम ने आत्म सम्मान की रक्षा का महत्व कैसे समझाया ? उदाहरण दीजिए। (4)

अथवा

मीरा की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 19. महादेवी वर्मा अथवा सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार दीजिए– (4)

(i) दो रचनाएँ

(iii) भावपक्ष एवं कलापक्ष

(iv) साहित्य में स्थान

प्रश्न 20. निम्नलिखित में से किसी एक का भाव पल्लवन कीजिए– (4)

'परहित सरिस धर्म नहिं आई'

अथवा

''मन के हारे हार है मन के जीते जीत''

प्रश्न 21. विराटा की पद्मिनी का केन्द्रीय पात्र कौन है ? उसकी चारित्रिक विशेषताएँ बताइए। (5)

अथवा

उपन्यास के आधार पर कुंजर सिंह का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्रश्न 22. निम्नलिखित गद्यांश की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए– (5)

बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है। जिससे हमें दुःख पहुँचता है उस पर यदि हमने क्रोध किया और यह क्रोध हमारे हृदय में बहुत दिनों तक टिका रहा तो वह बैर कहलाता है। इस स्थायी रूप में टिक जाने के कारण क्रोध का वेग और उग्रता तो धीमी पड़ जाती है पर लक्ष्य को पीड़ित करने की प्रेरणा बराबर बहुत काल तक हुआ करती है।

अथवा

मैं किसी से कम नहीं हूँ, यह भाव प्रारंभ से ही उनमें विद्यमान रहा। सच्चे अर्थों में वह 'कर्मयोगी' रहे हैं। शारीरिक दृष्टि से छोटा नहीं, अप्रत्याशित बाधा होते हुए भी मन कर्म में निरंतर रत रहा और नव–प्रकाश विकीर्ण होता रहा।

प्रश्न 23. निम्नलिखित पद्यांश की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए– (5)

भर आए उन्माद धरा के तन मन में, आ जाए ऋतुराज अगर तू मधुवन में।
ये तरू–तरू के पात गुलाबी हाथ मिलाकर झूमेंगे, ये तेरा संकेत मलय के होठ बसंती चूमेंगे।
महके अमराई, चहके उल्लास, घना कोकिल मन में,
आ जाए ऋतुराज अगर तू मधुवन में।

अथवा

कनक–कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय।
वा खाए बौरात है, या पाए बैरात।।
कहलाते एकत बसत, अहि मयूर, मृग, बाघ।
जगत तपोवन सौ कियौ, दीरघदाघ निदाघ।।

प्रश्न 24. सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल को एक आवेदन पत्र लिखिए। जिसमें कक्षा 10वीं की अंक सूची की द्वितीय प्रति मंगाने का उल्लेख हो। (5)

अथवा

वार्षिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर अपने मित्र को एक बधाई पत्र लिखिए। (5)

प्रश्न 25. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए– (2+5+3=10)

(i) बढ़ती प्रदूषण की समस्या और समाधान
(ii) मेरा प्रिय छत्तीसगढ़
(iii) देश में बढ़ता हुआ नक्सलवाद
(iv) कम्प्यूटर एक मानव मस्तिष्क
(v) विद्यार्थी जीवन और अनुशासन।